इको टास्क फोर्स के 31 प्रशिक्षुओं की भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला की ट्रेनिंग विसिट पर रिपोर्ट

दिनांक 03 मार्च, 2026 को भा.वा.अ.शि.प.- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, ने इको टास्क फोर्स के प्रशिक्षुओं को ट्रेनिंग विसिट करवाया। इसमे इको टास्क फोर्स के कमांडिंग ऑफिसर **कर्नल दीपक कुमार** व **श्री प्रवीन कुमार, लेफ्टिनेंट कर्नल** सहित 31 लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान के समूह समन्वयक (अनुसंधान), **डॉ संदीप शर्मा** ने आगंतुकों के साथ एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया, सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, उन्होंने संस्थान में चल रही अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित की गयी नर्सरी तथा पौधारोपण तकनीक के बारे मे भी बताया।

इसके पश्चात, **डॉ. प्रवीन रावत, वैज्ञानिक-सी** ने प्रशिक्षुओं को मॉडल नर्सरी पर आधारित एक पावर पॉइंट प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होने नर्सरी की वैज्ञानिक पद्धति से स्थापना एवं प्रबंधन आदि के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला । डॉ. रावत ने अपने संबोधन में नर्सरी स्थापना के लिए उपयुक्त स्थल चयन, भूमि की तैयारी, सिंचाई प्रबंधन, गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री का चयन सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कंटेनरों में बीज बोने की विधि को विस्तार से समझाया तथा बताया कि पॉलीबैग, रूट ट्रेनर, एवं अन्य आधुनिक कंटेनरों में पौध तैयार करने से जड़ प्रणाली मजबूत होती है तथा प्रत्यारोपण के समय पौधों की जीवित रहने की दर अधिक रहती है। आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक प्रबंधन एवं गुणवत्तापूर्ण बीज सामग्री के प्रयोग से नर्सरी उत्पादन दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

तत्पश्चात, डॉ पीतांबर सिंह नेगी वैज्ञानिक- ई ने कोनिफ़र प्रजातियों के बीजारोपण तथा नर्सरी तकनीक पर अपना विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होने जूनिपर, देवदार, सिल्वर फर, स्प्रूस, रखाल, तालिशपत्र, चिलगोज़ा व बान सहित अन्य महत्वपूर्ण प्रजातियों के नर्सरी व पौधरोपण तकनीक के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस विषय पर बातचीत करते हुए गुणवत्ता परख नर्सरी तैयार करने के लिए बीजों का चयन, बीज एकत्रण, उनका रखरखाव, बीजों की सुसुप्तता (Seed Dormancy), बुवाई पूर्व उपचार तथा बुवाई उपरान्त अलग नर्सरी गतिविधियों जैसे निराई-गुड़ाई व उनके स्थानांतरण (शिफ्टिंग) के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी।

इसके बाद संस्थान के प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र (TDC) तथा प्रयोगशालाओं का भ्रमण करवाया गया, जहाँ उन्होंने संस्थान द्वारा विकसित नवीनतम तकनीकों और शोध परियोजनाओं का अवलोकन करवाया। **डॉ पवन राणा, वैज्ञानिक-एफ** ने प्रयोगशाला भ्रमण के दौरान नर्सरी में लगने वाले कीटों तथा प्रभाग में चल रहे अन्य शोध कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सत्र के दौरान, डॉ. प्रवीन रावत, डॉ पीतांबर नेगी ने प्रशिक्षुओं द्वारा वानिकी से जुड़े विभिन्न विषयों पर पूछे गए प्रश्नों का व्यावहारिक और विस्तृत उत्तर दिया। प्रतिभागियों ने विशेष रूप से बान व अन्य कोनिफ़र प्रजातियों के नर्सरी व पौधरोपण तथा दक्षिणी ढलानों पर पौधरोपण के समय आने वाली चुनौतियों से जुड़ी जिज्ञासाएँ प्रस्तुत कीं।

कार्यक्रम की झलकियाँ :

****